Dainik Bhaskar (Indore), 03rd April 2024, Page - 02

पीएचडी छात्र का शोध • ईंट निर्माताओं से चल रही चर्चा, आगे जाकर बिल्डर, कॉन्ट्रैक्टर को भी करवाएंगे उपलब्ध

आईआईटी इंदौर ने ईंटों के लिए बनाया गोबर का फोमिंग एजेंट, ईंटें हलकी और मजबूत होंगी, गर्मी में घर की दीवारें ठंडी रहेंगी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर के पीएचडी छात्र ने प्रोफेसर के सहयोग से ईंट में फोमिंग एजेंट के रूप में इस्तेमाल होने वाले एल्युमीनियम का सस्ता और पर्यावरण हितैषी विकल्प बनाया .है। गोबएयर नाम से बनाए गए गोबर के पाउडर का इस्तेमाल ईंट बनाने में करने से ईंट का वजन कम हो सकता है। इससे गर्मी में घर ठंडा रहेगा और ईंटों की कीमत भी कम हो सकेगी। यह ईंट साधारण ईंट के मुकाबले 24% तक सस्ती होगी।

आईआईटी इंदौर के सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी के प्रमुख प्रो. संदीप चौधरी और उनके पीएचडी छात्र संचित गुप्ता ने संयुक्त रूप से इस पर काम किया है। प्रो. चौधरी ने बताया गोबर गोशाला से निकलने वाला बड़ा उपयोगी उत्पाद है, जिस पर टीम ने और भी कई शोध किए हैं। यहीं से गोबएयर की शुरुआत भी हुई। यदि गोबएयर बाजार में सफल हो जाता है तो गोशालाओं को गोबर के लिए 1 रुपए किलो से बढ़कर 4 रुपए किलो तक मिल सकते हैं। गोबर भरकर बनी ये ईंटें लाल ईंट और फ्लाई ऐश ईंट दोनों के ही मुकाबले अधिक सस्ती और ज्यादा हलकी भी बन रही हैं।

24
प्रश तक सस्ती साधारण ईंट के मुकाबले

03
रुपए किलो ज्यादा मिल सकेंगे गोशालाओं को गोबर के

साइट पर कांक्रीट में मिला सकेंगे पर्यावरण हितैषी भी होंगी

टेस्टिंग आखिरी चरण में है। फिलहाल इसका रेश्यो स्पेसिफिकेशन टेबल तैयार किया जा रहा है, जिसकी मदद से इसे सीधे बिल्डर और ठेकेदार को दे सकेंगे। वे इसे सीधे साइट पर कांक्रीट में मिला सकेंगे। टीम ने इसे सीआईआई को भी अपनी बिल्डिंग में इस्तेमाल करने के लिए संपर्क किया है। इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल, ग्रीन रेटिंग काउंसिल और इस क्षेत्र में काम कर रही अन्य संस्थाओं से भी संपर्क कर रहे हैं, जिससे इन ईंटों से बने मकानों और भवनों को ग्रीन रेटिंग मिलने में आसानी हो सके। इसके लिए टीम द्वारा फरवरी के महीने में पेटेंट भी फाइल किया गया है।